Padma Shri



Dr. S. K. Shivakumar

Dr. S. K. Shivakumar, currently Director, ISRO Satellite Centre, is steering the Centre in envisaging developments for current requirements and future missions. He has been instrumental in bringing in synergy for enhanced throughout by his unique managerial style of parallel & alternative planning system.

2. Born on March 17, 1953, Dr. Shivakumar received his Bachelor of Science (B.Sc.,) from the University of Mysore and Bachelor of Engineering Degree (B.E.) and M.Tech degree from the Indian Institute of Science (IISc.,). Later, he joined Indian Space Research Organization (ISRO). He also obtained Ph.D degree in 2014.

3. Immediately on taking over as Director, ISAC, he set about streamlining both the Research & Development as well as production activities of repeatable spacecraft systems like IRNSS (9 spacecrafts). He ensured realisation of record Six Satellites in a year. Efforts towards future Indian space science missions like Chandrayaan-2, the Aditya mission to study the Sun are being guided by him.

4. Dr.Shivakumar spearheaded Mars Orbiter Mission (MOM) - the prestigious, internationally acclaimed, National pride, technologically challenging Mission and a huge success in its maiden attempt. Ingenious planning helped to realize the spacecraft in a record time of 15 months with high precision. He defined the autonomy features for Mars mission which is a critical technology developed for deep space missions. He is highly knowledgeable in Flight Dynamics, Mission management which aided in precise manoeuvring and injecting the Mars Obiter Mission into the Martian orbit accurately.

5. As Director, ISTRAC from September, 1998 to October 2010 Dr. S K Shivakumar led a team of about 400 engineers which carved a niche for itself in space operation services at both national and international levels. During his tenure as Director, ISTRAC registered an all round growth. Several major and new initiatives that were taken up under his stewardship include modernisation of the TT&C Network Stations, remote monitoring and control of the network stations from the central network control processors, construction of Control Centres at Peenya, Byalalu and Bhopal.

6. Dr. Shivakumar played a key role in establishment of Indian Deep Space Network ground station. The station supported the Mars Orbiter Mission flawlessly throughout the mission. Dr. Shivakumar served as TT&C network Director for all missions from PSLV-C2 to PSLV-C11 missions and also for GSLV missions. Dr. Shivakumar was also responsible for organising the entire ground support configuration for the TT&C operations for the first Space Capsule Recovery Experiment (SRE-1).

7. Dr. Shivakumar is the recipient of numerous awards and honours. He has been conferred honorary doctortate for the huge success in space technology by University of Mysore and NADOJA award by Kannada Vishvavidyalaya, Hampi.



डॉ. एस. के. शिवकुमार

डॉ. एस.के. शिवकुमार,जो इस समय आई.एस.आर.ओ. सेटेलाइट सेंटर के निदेशक हैं, मौजूदा ज़रूरतों और भविष्य के मिशनों के विकास को ध्यान में रखते हुए केन्द्र का संचालन कर रहे हैं। आप समानांतर और वैकल्पिक योजना प्रणाली की अपनी विशिष्ट प्रबंधकीय शैली से बढ़े हुए संवेश प्रवाह के लिए सहक्रियाशीलता लाने के पीछे मुख्य प्रेरणा स्रोत रहे हैं।

2. आपका जन्म मार्च 17, 1953 को हुआ। आपने मैसूर विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक (बी एससी.) की डिग्री और भारतीय विज्ञान संस्थान से इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री तथा एम.टेक. की डिग्री प्राप्त कीं। बाद में आपने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान ज्वॉइन किया। आपने वर्ष, 2014 में पीएच.डी. की डिग्री भी प्राप्त की।

3. आई.एस.ए.सी. के निदेशक का कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद आपने आई.आर.एन.एस.एस. (9 अंतरिक्ष यान) जैसी पुन: उपयोग की जाने योग्य अंतरिक्ष यान प्रणाली के अनुसंधान और विकास के साथ-साथ उत्पादन, के क्रियाकलापों को सरल बनाया। आपने एक वर्ष में रिकार्ड छ: उपग्रहों का प्रक्षेपण सुनिश्चित किया। चंद्रयान-2, सूर्य का अध्ययन करने के आदित्य मिशन जैसे भविष्य के भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान मिशनों का भी मार्गदर्शन कर रहे हैं।

4. आपने मार्स ऑर्बिटर मिशन की भी अगुवाई की जो एक प्रतिष्ठित, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य, राष्ट्रीय गौरव, तकनीकी दृष्टि से चुनौती पूर्ण मिशन था और जो अपने पहले ही प्रयास में एक बहुत बड़ी सफलता थी। स्वदेशी योजना के कारण ही अत्यधिक परिशुद्धता के साथ 15 माह के रिकार्ड समय में इसे अंतरिक्ष में भेजा गया। आपने मार्स मिशन के स्वायत्त लक्षणों को स्पष्ट किया जो गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए विकसित महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी है। फ्लाइट डाइनामिक्स, मिशन मैनेजमेंट में आपको अत्यधिक जानकारी है जिसने मार्स ऑर्बिटर मिशन को मार्टियन की कक्षा में सटीक रूप से संचालित और अत: प्रेक्षण करने में काफी मदद की।

5. सितम्बर,1998 से अक्तूबर, 2010 के दौरान आई.एस.टी. आर.ए.सी. के निदेशक के रूप में आपने लगभग 400 इंजीनियरों की एक टीम का नेतृत्व किया जिसने राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर, दोनों पर अंतरिक्ष ऑपरेशन सेवाओं के लिए अपने आपको पूरी तरह से तैयार किया । आई.एस.टी.आर.ए.सी. के निदेशक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इसकी बहुमुखी प्रगति हुई। आपके सक्षम नेतृत्व में कई बड़ी और नई पहलें शुरू की गईं जिनमें टी.टी.एंड सी. नेटवर्क स्टेशनों का आधुनिकीकरण, सेंट्रल नेटर्वक कंट्रोल प्रोसेसर्स से नेटवर्क स्टेशनों की रिमोट मॉनिटरिंग और नियंत्रण, पीन्या, ब्यालालू और भोपाल में नियंत्रण केन्द्रों का निर्माण शामिल है।

6. आपने इंडियन डीप स्पेस नेटवर्क ग्राउंड स्टेशन स्थापित करने में मुख्य भूमिका निबाही। इस स्टेशन ने पूरे मार्स ऑर्बिटर मिशन के दौरान पूर्ण रूप से इसकी मदद की। आपने पी.एस.एल. वी-सी 2 से पी.एस.एल. वी-सी 11 तक के सभी मिशनों, टी.टी.एंड सी नेटवर्क निदेशक के रूप में और साथ ही जी एस एल वी मिशन में भी कार्य किया। आप पहले स्पेस कैप्सूल रिकवरी एक्पेरीमेंट (एस.आर.ई.-I) के लिए टी.टी. एंड सी. ऑपरेशन के वास्ते पूरा ग्राउंड सपोर्ट कांफिगरेशन आयोजित करने के लिए भी जिम्मेदार थे।

7. आपको कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की अत्यधिक सफलता के लिए आपको डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया और कन्नड़ विश्वविद्यालय, हम्पी द्वारा आपको एन.ए.डी.ओ.जे.ए. पुरस्कार प्रदान किया गया।